

दौरान तक अभियोजन पक्ष की ओर से यह कथन किया गया है कि अब तक की विवेचना में घटनाक्रम में की गयी आगजनी के सन्दर्भ में आवेदक/अभियुक्त की विशिष्ट भूमिका के सम्बन्ध में कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं है। प्रकरण की कौंस जागरी के पर्चा संख्या-1 में कथित रूप में चोटहिल पुलिस अधीक्षक, नगर (पूर्वी) श्री सुरेश चन्द रावत को आयी हुई चोटों सामान्य प्रकृति की बताया गया है, जबकि उप निरीक्षक श्री विजय शंकर तिवारी, उप निरीक्षक प्रियम्बन्द गिशा को मात्र दर्द की शिकायत होना बताया गया है। आवेदक/अभियुक्त दिनांक 21-12-2019 से अगिरा में है।

प्रस्तुत प्रकरण में अपराध की प्रकृति एवं मामले की परिस्थितियों में उभय पक्षां को सुनने के उपरान्त प्रकरण के गुणदोष पर कोई मत व्यक्त किये बिना आधार जमानत पर्याप्त है। तदनुसार आवेदक/अभियुक्त का जमानत आवेदन-पत्र कतिपय शर्तों के अधीन स्वीकार किये जाने योग्य है।

आदेश

अभियुक्त **रॉबिन वर्मा** का जमानत आवेदन-पत्र स्वीकार किया जाता है। अभियुक्त द्वारा **पचास हजार रुपये** का व्यक्तिगत बन्ध पत्र व इसी राशि की **दो** जमानतें सम्बन्धित मजिस्ट्रेट की संतुष्टि पर दाखिल करने पर इन्हें निम्नांकित शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाए:-

- (1) अभियुक्त विवेचक द्वारा आहूत किये जाने की स्थिति में उपस्थित होंगे तथा विवेचना में सहयोग करेंगे।
- (2) अभियुक्त किसी भी अपराध में संलिप्त नहीं होंगे।
- (3) अभियुक्त प्रकरण में घटनाक्रम से सम्बन्धित किसी भी साक्षी को किसी भी रूप में प्रभावित करने का प्रयास नहीं करेंगे।

 07.1.2020

(संजय शंकर पाण्डेय)

दिनांक: 07-01-2020

अपर सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं०-1, लखनऊ।

शिवराम निगम, स्टैनो/-

में से कुछ लोगों को पकड़ लिया गया। पुलिस बल द्वारा आंसू गैस, रबर बुलेट तथा शार्ट रेन्ज सेल से चार कारतूस भी फायर किये गये। इसके अतिरिक्त लांग रेन्ज सेल के भी अश्रुगैस, मिर्ची हथगोला तथा फायर भी किये गये। पत्थरबाजी में कांस्टेबिल अंकुर कुमार की मैगजीन स्टड टूट गयी। मौके पर समीन अहमद सहित कुल 34 लोगों को गिरफ्तार किया गया। तहरीर में यह भी अंकित किया गया कि उक्त घटनाक्रम 13:15 बजे से देर शाम तक चलता रहा। लोक व्यवस्था छिन्न भिन्न रही तथा तनाव बना हुआ है। परिवर्तन चौक, हजरतगंज व आस-पास की सभी दुकानें दोपहर से बन्द हैं, मेट्रो रेल सेवा भी प्रभावित हुई है।

उपरोक्त आधार पर दिनांक 19-12-2019 को 23:17 बजे समीन अहमद सहित कुल 34 अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147, 148, 149, 152, 307, 323, 504, 506, 332, 353, 188, 435, 436, 120बी, 427, सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा 3 व 4 तथा किमिनल लॉ एमैण्डमेण्ट ऐक्ट की धारा 7, की प्रथम सूचना रिपोर्ट थाना हजरतगंज पर अंकित की गयी। दौरान विवेचना दिनांक 21-12-2019 को उप निरीक्षक विजय शंकर त्रिपाठी, उप निरीक्षक संदीप कुमार तिवारी के बयान में आये इन कथानकों कि आधार पर कि काफी प्रदर्शनकारियों को मौके पर इन लोगों द्वारा पहचाना गया था, उनमें से एक रॉबिन वर्मा पुत्र मथुरा प्रसाद वर्मा का नाम तस्दीक होने का कथन किया गया तथा उक्त अभियुक्त रॉबिन वर्मा को परिवर्तन चौक के पास से हिरासत में लिये जाने का भी कथन किया गया। तदैव आवेदक/अभियुक्त का नाम प्रकाश में आया।

5. प्रस्तुत प्रकरण में घटना दिनांक 19-12-2019 के अपराह्न 13:15 बजे से सायंकाल तक की बतायी जाती है तथा प्रकरण की प्रथम सूचना रिपोर्ट उसी दिन 23:17 बजे अंकित करायी गयी है।

प्रकरण की केस डायरी के पन्ना संख्या-10 दिनांकित 27-12-2019 में विवेचक ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अधीन जिला मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश दिनांकित 16-12-2019 को संलग्न किया है। उपरोक्त आदेश 6 पृष्ठों में है तथा सन्दर्भित आदेश में यह उल्लिखित है कि "माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा श्रीराम जन्मभूमि/बाबरी मस्जिद प्रकरण में निर्णय के दृष्टिगत शान्ति व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, - - - -कतिपय असामाजिक, जातिवाद, साम्प्रदायिक व शरारती तत्व उपद्रव व हिंसात्मक कार्यवाही करके लोक परिशान्ति एवं कानून व्यवस्था भंग करने का प्रयास कर सकते हैं, - - - -" तदैव लोक परिशान्ति भंग को रोकने के उद्देश्य से प्रतिबन्धात्मक आदेश पारित किया गया, जिसमें कुल 38 बिन्दु समाहित थे। उपरोक्त विस्तृत सूचना से जन सामान्य को अवगत कराने हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में ऐसा कोई प्रकाशन किया गया हो, इस सन्दर्भ में अब तक की विवेचना में प्रकरण के विवेचक द्वारा कोई साक्ष्य संकलित नहीं की गयी है।

आवेदक/अभियुक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामित नहीं है। न्यायालय के सम्म

गयी है तथा पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर ही आवेदक/अभियुक्त को प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है।

3. आवेदक/अभियुक्त के अधिवक्ता एवं सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता, फौजदारी के तर्कों को सुना तथा पत्रावली पर उपलब्ध सामग्री का अवलोकन किया।
4. प्रकरण में श्री धीरेन्द्र प्रताप कुशवाहा, प्रभारी निरीक्षक, हजरतगंज ने थाना हजरतगंज पर इस आशय की लिखित तहरीर दी कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 एवं नेशनल रजिस्टर आफ सिटीजन बिल को लेकर आइसा, रिहाई मच, बामसेफ, पीएफआई, शराब मुक्ति मोर्चा, नागरिक एकता पार्टी आदि संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा परिवर्तन चौक में दिनांक 19-12-2019 को दोपहर दो बजे भारी संख्या में उक्त दोनों बिलो/अधिनियम के विरोध स्वरूप एकत्र होने के लिए जन सामान्य से सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से अपील की जा रही थी, जबकि शहर में धारा 144 दंडप्र0स0 लागू थी। प्रशासन द्वारा इस प्रकार के जुलूस, धरना व प्रदर्शनों को अवैधानिक व विधि विरुद्ध घोषित करते हुए प्रतिबन्धित कर दिया गया था तथा इसकी सार्वजनिक सूचना प्रिन्ट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से तथा सम्बन्धित थानों से प्रचारित व प्रसारित की गयी कि विधि विरुद्ध जमाव एवं भीड़ द्वारा कोई अवैधानिक व विधि विरुद्ध कार्य न किया जा सके। उक्त हेतु जब यह अपने सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ शान्ति व्यवस्था ड्यूटी में परिवर्तन चौक पर मौजूद थे, तब दोपहर 13:15 बजे अलग-अलग रास्तों से पूर्व सुनियोजित योजना के अनुसार काफी संख्या में लोग परिवर्तन चौक की तरफ आने लगे, जिन्हें वहाँ मौजूद कार्यकारी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा धरना प्रदर्शन एवं जुलूसों के प्रतिबन्धित होने के बारे में समझाया गया तथा वापस चले जाने को कहा गया, किन्तु उपरोक्त संगठनों के पदाधिकारी के आवाहन पर एकत्रित हुई भीड़ बातों को अनसुना करते हुए उग्र होने लगी तथा सरकारी बस यूपी 33 एटी 0489, न्यूज नेशन मीडिया की ओवी वैन इनोवा यूपी 16 सीटी 8534 व आजतक व न्यूज 18 की गाड़ी में व एक अर्टिगा कार व एक मोटरसाइकिल जिसका नम्बर यूपी 32 जेएफ 6499 मोटरसाइकिल पैशन प्रो व पुलिस कर्मचारियों की स्कूटी व मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ करते हुए आग लगा दी गयी। बेगम हजरत महल पार्क की रेलिंग को तोड़कर अन्दर घुसकर तोड़फोड़ किया गया तथा सहादत अली का मकबरा को भी छतिग्रस्त कर दिया गया व आगजनी करते हुए दहशत का माहौल पैदा कर पुलिस के ऊपर जान से मारने की नियत से अवैध असलहों, पेट्रोल बम व लाठी, डण्डा, ईंट पत्थर से जानलेवा हमला किया। उक्त कृत्य से लोक व्यवस्था पूरी तर छिन्न भिन्न हो गयी, चारों तरफ अफरातफरी व भगदड़ मच गयी। करोड़ों रुपयों की सरकारी सम्पत्ति व निजी सम्पत्ति का नुकसान हुआ व सम्पत्ति जलकर राख हो गयी। उपरोक्त घटनाक्रम में प्रभारी निरीक्षक, हजरतगंज, उनके हमराही पुलिसकर्मी, महिला पुलिस बल तथा पुलिस के उच्चाधिकारी काफी चोटहिल हो गये तथा सी0ओ0 श्री उपेन्द्र कुमार के सिर में गम्भीर चोटें आयीं। मौके पर हमलावरों

न्यायालय अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश, कोर्ट नं०-1, लखनऊ।

जमानत प्रार्थना-पत्र सं०-150/2020

रॉबिन वर्मा आयु लगभग 36 वर्ष पुत्र श्री मथुरा प्रसाद वर्मा, निवासी म०न० 204, नरायनपुर, पोस्ट मानस नगर, कृष्णानगर, जनपद लखनऊ।

.....आवेदक/अभियुक्त

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य

.....अभियोगी

मुकदमा अपराध संख्या: 600/2019

धारा-147,148,149,152,307,323,504,506,332,353,
188,435,436,120बी,427 भा०द०स०,

धारा 3 एवं 4 सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान
निवारण अधिनियम एवं धारा 7 कि०लॉ०ए०एक्ट,

थाना: हजरतगंज, लखनऊ

07-01-2020

1. मुकदमा अपराध संख्या: 600/2019, अन्तर्गत भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147,148,149,152,307,323,504,506,332,353,188,435,436,120बी,427, सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा 3 व 4 तथा किमिनल लॉ एमेण्डमेण्ट ऐक्ट की धारा 7, थाना: हजरतगंज, लखनऊ के प्रकरण में आवेदक/अभियुक्त रॉबिन वर्मा का जमानत आवेदन-पत्र प्रभारी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, लखनऊ द्वारा दिनांक 23-12-2019 को निरस्त होने के उपरान्त, यह जमानत आवेदन-पत्र सत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जो अन्तरित होकर निस्तारण हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

2. आवेदक/अभियुक्त की ओर से अपने जमानत आवेदन पत्र में यह कहा गया है कि आवेदक/अभियुक्त शिया डिग्री कालेज में सविदा आधार पर शिक्षक है और प्रथम सूचना रिपोर्ट में नामित नहीं है। यह भी कहा गया है कि आवेदक/अभियुक्त के विरुद्ध सी०ए०ए० बिल का दिनांक 19-12-2019 को विरोध किये जाने का आरोप लगाया गया है, जो उसका प्रजातान्त्रिक अधिकार है। आवेदक/अभियुक्त द्वारा किसी प्रकार की तोड़फोड़ या हिंसा में सम्मिलित नहीं रहा है और न ही इस प्रकार की कोई साक्ष्य है। आवेदक/अभियुक्त को दिनांक 20-12-2019 को दारूशाफा निकट लालबाग स्थित एक चाय की दुकान से चाय पीते समय गिरफ्तार करके गलत ढंग से 21-12-2019 को 12:30 बजे बेगम हजरत महल पार्क के पीछे से गिरफ्तारी दिखायी गयी। दिनांक 19-12-2019 को घटी हिंसा में आवेदक/अभियुक्त की कोई भूमिका नहीं रही है। आवेदक/अभियुक्त का कोई आपराधिक इतिहास नहीं रहा है, इन्हें प्रस्तुत प्रकरण में झूठा फंसा दिया गया है और यह दिनांक 21-12-2019 से कारागार में निरुद्ध है।

जमानत आवेदन का विरोध करते हुए सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता, फौजदारी की ओर से यह तर्क किया गया है कि दिनांक 19-12-2019 को, जबकि जनपद लखनऊ में धारा 144 द०प्र०स० लागू थी, एक विधि विरुद्ध जमाव, जिसका एक सदस्य आवेदक/अभियुक्त भी था, हिंसा, आगजनी व तोड़फोड़ की घटना कारित की